माहेश्वरी समाज राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है : शाह

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि ने शिरकत की

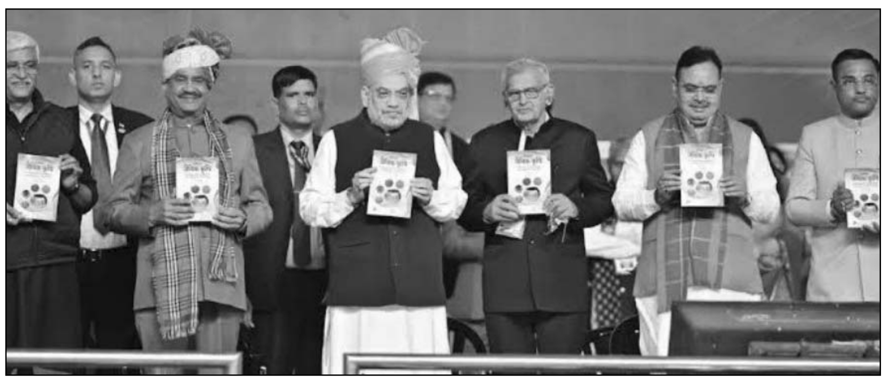

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आदि ने डाक टिकट जारी किया।

■ माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है : सीएम भजनलाल

जोधपुर, (कासं)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि समाज की आत्मनिर्भरता और सामाजिक आयोजनों से देश मजबूत बनता है। सामाजिक संगठनों की शक्ति समाज एवं देश के लिए उपयोगी होती है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज ने सेवा के संकल्प को चरितार्थ किया है। यह समाज अपने मूल से जुड़े रहते हुए राष्ट्र की आवश्यकताओं में सहयोग के भाव से सदैव आगे रहता है। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह शनिवार को जोधपुर के पॉलीटेक्निक कॉलेज ग्राउंड में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने में स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग, देश की उत्पादन क्षमता में वृद्धि और स्वभाषा के उपयोग की सबसे बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा कि भाषा ही समाज, धर्म और संस्कृति को जीवंत रखती है। इसलिए सभी अपने परिवार और परिचितों से स्वभाषा में संवाद करें जिससे नई पीढ़ी हमारे गौरवशाली इतिहास और समृद्ध संस्कृति से परिचित हो सके। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि माहेश्वरी समाज ने देश की आत्मनिर्भरता, विकास और उद्योग क्षेत्र में अपना अहम योगदान दिया है। मैन्यूफेक्चरिंग, ट्रेडिंग और तकनीक के क्षेत्र में भी प्रगतिशील समाज का परिचय दिया है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी ग्लोबल एक्सपो के माध्यम से देश को आर्थिक मजबूती मिलेगी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि राजस्थान शौर्य, पराक्रम और उद्यमशीलता की धरती है। माहेश्वरी समाज भगवान महेश के संस्कारों से प्रेरित रहा है और सेवा, समर्पण व त्याग इसकी पहचान हैं। आज जब हमारा देश 'विकसित भारत' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है तब नवाचार, तकनीक और उद्यमशीलता के माध्यम से समाज की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। बिरला ने अव्हान किया कि परिवर्तन के इस दौर में सामूहिक संकल्प, कड़ी मेहनत और सामाजिक समरसता के साथ कार्य कर समाज के हर वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया जाए। साथ ही, आर्थिक-सामाजिक संघर्ष से जूझ रहे वर्गों के उत्थान में अग्रणी भूमिका निभाने की अपील की।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महाधिवेशन और ग्लोबल एक्सपो राजस्थान की सांस्कृतिक चेतना से ओत-प्रोत तथा मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की भावना का प्रदर्शन है। यह आयोजन समाज की एकता और सामाजिक प्रतिबद्धता का जीवंत प्रमाण है। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज अपनी जड़ों से जुड़ा हुआ है और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने के लिए तत्पर है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरती से निकला यह समाज आज पूरे विश्व में फैला हुआ है। माहेश्वरी समाज ने सदैव सेवा-त्याग-सदाचार के मूल्यों को जीवन में धारण किया है तथा समाज के विकास के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण में भी अपना अमूल्य योगदान दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में जो शांति और व्यवस्था है उसके पीछे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का दृढ़ नेतृत्व है।

इस अवसर पर केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने माहेश्वरी समाज को समर्पित डाक टिकट जारी करने के साथ ही माहेश्वरी गौरव ग्रंथ व जैविक खेती पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया। साथ ही, उन्होंने अपना घर आश्रम के प्रथम चरण का वर्चुअल लोकार्पण किया। इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल, उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, विधायक अतुल भंसाली, देवेन्द्र जोशी, अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी महासभा के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

बजरी माफिया का शिकार हुये घायल वनकर्मी जितेंद्र की जयपुर में मौत

वनकर्मी जितेंद्र का पैतृक गांव सूरजपुरा में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया

■ सरमथुरा उपखंड के गांव झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बजरी माफिया ने वनकर्मी जितेंद्र पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया था

■ चिकित्सकों की टीम ने घायल वनकर्मी जितेंद्र की जिंदगी बचाने की खातिर बांया पैर भी काट दिया था

■ ग्रामीणों व वनकर्मियों ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा जितेंद्र के परिजनों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान की मांग की

पावटा, (निसं)। विराटनगर क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा निवासी वनकर्मी जितेंद्र ने अपनी ड्यूटी निभाते हुए प्राण न्यौछावर कर दिए, जिनका पैतृक गांव सूरजपुरा में सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया गया।

डीएफओ आशीष व्यास ने बताया कि सरमथुरा उपखंड के गांव झिरी क्षेत्र में अवैध चंबल बजरी खनन के खिलाफ कार्रवाई के दौरान बजरी माफिया ने जितेंद्र पर ट्रैक्टर चढ़ा दिया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। घटना के बाद घायल वनकर्मी जितेन्द्र सिंह का जयपुर के अपेक्स अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की देखरेख में इलाज किया जा रहा था। चिकित्सकों की टीम ने जिंदगी को बचाने की खातिर बांया पैर भी काट दिया था। चिकित्सक दो दिन तक वनकर्मी की जिंदगी को बचाने में जुटे रहे। आखिर शुक्रवार रात्रि को ऑर्गन फेल हो जाने से वनकर्मी जितेंद्र की मौत हो गई। घटना से वन विभाग के कार्मियों व ग्रामीणों में आक्रोश है।

वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग मंत्री संजय शर्मा ने ट्वीट करते हुए कहा कि सरमथुरा (धौलपुर) के झिरी गांव में कर्तव्य पालन के दौरान घायल हुए वनकर्मी जितेन्द्र सिंह शेखावत के जयपुर अस्पताल में उपचार के दौरान निधन का समाचार अत्यंत दु:खद एवं पीड़ादायक है। डॉक्टरों द्वारा भरसक प्रयास किए गए, बांया पैर काटने के बाद भी उन्हें नहीं बचाया जा सका। बजरी माफियाओं की इस नृशंस और अमानवीय हरकत की मैं कड़े शब्दों में निंदा करता हूँ। दोषियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस द्वारा छापेमारी जारी है और उन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें एवं शोकाकुल परिजनों को इस अपार दु:ख को सहने की शक्ति प्रदान करें। राज्य सरकार पीड़ित परिवार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है।

वहीं ग्रामीणों व वनकर्मियों ने मांग की है कि दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए तथा शहीद हुए वनकर्मी जितेंद्र के परिजनों को उचित मुआवजा और सरकारी सहायता प्रदान की जाए, जहां डीएफओ आशीष व्यास ने मृतक के परिजनों से वार्ता कर मृतक को न्याय दिलाने व हर तरह के सहयोग का आश्वासन दिया।

गौरतलब है कि 42 वर्षीय वनरक्षक जितेंद्र सिंह भारतीय सेना में अपनी सेवाएं दे चुके थे। वन विभाग में यह उनकी पहली पोस्टिंग थी। उन्होंने सितंबर 2024 में सरमथुरा थाना इलाके में झिरी नाके पर जॉइन किया था। काम के प्रति सजग रहते थे। उन्होंने कई कार्रवाइयों में भाग लिया। इससे बजरी माफिया में खौफ था। कार्रवाई के दौरान समय नहीं देखते थे। गत दिवस रात 12 बजे ट्रैक्टर निकलने की सूचना मिलने पर उन्होंने अकेले ही मौके पर पहुंच कर बजरी ट्रैक्टर को रोका तो चालक ने उनके ऊपर ट्रैक्टर चढ़ा दिया। वनरक्षक विराटनगर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सूरजपुरा के निवासी थे। जिनके परिवार में दो बच्चे व पत्नी हैं।

उचित मूल्य दुकानों के आवंटन के लिए आवेदन आमंत्रित

बीकानेर, (निसं)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग द्वारा उचित मूल्य दुकानों के आंवटन के लिए जारी दिशा निर्देशों के तहत सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत नगर निगम क्षेत्र बीकानेर एवं तहसील बीकानेर (ग्रामीण क्षेत्र) की आवंटन से शेष रही रिक्त (नवसृजित सहित) 44 तथा जिले के अन्य तहसील क्षेत्रों के 38 सहित उचित मूल्य की 82 दुकानों के आवंटन के लिए विभागीय निर्देशानुसार इच्छुक पात्र व्यक्तियों से प्राधिकार पत्र जारी किए जाने के लिए सशुल्क आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। जिला रसद अधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि आवंदन पत्र 23 जनवरी को सायं 5 बजे तक जिला रसद कार्यालय से जिला रसद अधिकारी के पक्ष में सौ रुपए का भारतीय पोस्टल ऑर्डर प्रस्तुत कर प्राप्त किए जा सकते हैं। भरे हुए आवेदन 23 जनवरी को ही सायं 5 बजे तक जमा करवाए जा सकेंगे। उन्होंने बताया कि नगर निगम क्षेत्र के पुराने वार्डों (60) के अनुसार रिक्त एवं नवसृजित दुकानों क लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं।

शिक्षकों को एक और जिम्मेदारी मिली, अब स्कूलों से आवारा कुत्ते भी भगाएंगे

श्रीगंगानगर, (निसं)। बीएलओ, चुनाव ड्यूटी, जनगणना, स्वास्थ्य अभियान (टीकाकरण), सर्वे, डेटा फीडिंग जैसे कार्यों के साथ ही शिक्षकों को जो एक नई जिम्मेदारी मिली है वह हैरान करने वाली है। पहले से ही कई गैर-शैक्षणिक कार्यों में उलझे शिक्षकों के कंधों पर अब आवारा कुत्तों को भगाने और उन्हें पकड़वाने का जिम्मा भी दे दिया गया है।

शिक्षा विभाग ने स्कूलों के आसपास घूम रहे आवारा कुत्तों को भगाने और संबंधित विभागों से समन्वय कर उन्हें पकड़वाने की जिम्मेदारी सौंपी है। विभाग के अनुसार यह कदम विद्यार्थियों और स्कूल स्टाफ को आवारा कुत्तों के संभावित हमलों से बचाने के लिए उठाया गया है, ताकि स्कूल परिसर में कोई अप्रिय घटना न हो। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के काटने की बढ़ती घटनाओं पर सख्त रुख अपनाते हुए उन्हें पकड़ने के आदेश दिए हैं। उसी आदेश की पालना में शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को यह निर्देश जारी किए हैं। आदेशों की अवहेलना पर जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने 7 नवंबर को निर्देश जारी किए हैं। उसी की पालना में माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने राज्य के सभी संयुक्त निदेशकों को आदेश जारी कर राज्य के समस्त विभागीय अधीनस्थों के लिए इस संबंध में वांछित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। मोहर सिंह, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा विभाग ने इस पूरी व्यवस्था पर नजर रखने के लिए एक नया सिस्टम भी खड़ा कर दिया है। आवारा कुत्तों की रोकथाम के इंतजामों की समीक्षा के लिए मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी और ब्लॉक संदर्भ केंद्र प्रभारी नियमित निरीक्षण करेंगे। कम से कम हर तीन महीने में एक बार स्थिति की जांच की जाएगी। अगर कोई भी लापरवाही पाई गई तो संबंधित प्रभारी और संस्था प्रमुख की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों को पहले से ही गैर शैक्षणिक कार्यों जिनमें बीएलओ, चुनाव ड्यूटी, जनगणना, स्वास्थ्य अभियान (टीकाकरण), सर्वे, डेटा फीडिंग (प्रेरणा पोर्टल, आधार, बैंक खाता), मिड-डे-मील प्रबंधन, छात्रवृत्ति वितरण, स्कूल चलो अभियान, स्वच्छता अभियान, और स्कूल प्रबंधन से जुड़े कई प्रशासनिक आदि कार्य शिक्षकों से करवाए जा रहे है। इससे शैक्षणिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। अब एक और नई जिम्मेदारी कुत्तों को भगाने की दे दी गई है। सरकार को शिक्षकों को गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्त करना चाहिए।

स्कूल बाउंड्री वॉल और गेट को इस तरह दुरुस्त किया जाएगा कि आवारा कुत्ते कैम्पस में दाखिल न हो सकें। छुट्टी के समय और सुबह गेट पर विशेष निगरानी रखी जाएगी। खाने के लालच में कुत्ते स्कूलों के पास जमा होते हैं। अब मिड-डे मील के बचे हुए खाने और कचरे का निबटारा स्कूल परिसर से दूर बंद डस्टबिन में करना होगा। प्रार्थना सभा में बच्चों को कुत्तों के व्यवहार और बचाव के तरीके समझाएंगे। स्कूल परिसर या आसपास कुत्तों का जमावड़ा होने पर संस्था प्रधान तुरंत नगर निगम, नगरपालिका या पंचायत को सूचित करेंगे ताकि उन्हें वहां से हटाया जा सके।

पोकरण क्षेत्र में 50 बीघा सरकारी भूमि पर किए अवैध अतिक्रमण तोड़े

■ अवैध रूप से बूचड़खाने संचालित करने तथा कैलावा गौवंश हत्याकांड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ पुलिस-प्रशासन ने कार्रवाई की

■ कार्रवाई केलावा गांव के पास गौवंश की निर्मम हत्या की घटना के बाद बने संवेदनशील हालात और बढ़ते जनआक्रोश के बीच की गई

पोकरण, (निसं)। शहर में अवैध रूप से बूचड़खाने संचालित करने तथा कैलावा गौवंश हत्याकांड से जुड़े आरोपियों के खिलाफ जन आक्रोश लगातार तेज होता जा रहा है। इसी जनदबाव के चलते स्थानीय प्रशासन ने रामदेवसर तालाब की आगोर भूमि पर निर्णायक कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रशासन ने रामदेवरा तालाब के आगोर के खसरा संख्या 87 की लगभग 50 बीघा सरकारी आगोर की भूमि पर वर्षों से किए गए करोड़ों रुपये के अवैध अतिक्रमण को चिन्हित कर पीले पंजे की कार्रवाई से ध्वस्त कर दिया। जैसलमेर रोड स्थित इस भूमि पर बनाई गई पक्की दीवारों को बुलडोजर चलाकर पूरी तरह जमीनदोंज कर दिया गया। यह कार्रवाई दो घंटे से अधिक समय तक चली। इस दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारी संख्या में पुलिस जाब्ता तैनात रहा। सुबह से ही स्थल पर पालिका प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम मौजूद रही।

वहीं जिला कलैक्टर एवं पुलिस अधीक्षक उपखंड कार्यालय पोकरण में बैठकर पल-पल की गतिविधियों पर नजर बनाए हुए थे। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह मुस्तैद रहीं और शहर के चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया। यह कार्रवाई केलावा गांव के पास गौवंश की निर्मम हत्या की घटना के बाद बने संवेदनशील हालात और बढ़ते जनआक्रोश के बीच की गई। घटना के बाद से पोकरण सहित पूरे जैसलमेर जिले में आक्रोशपूर्ण माहौल बना हुआ है। इसी दौरान पोकरण शहर में हिंदू समाज की सभा भी आयोजित हो रही थी, ऐसे में प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया।

इस संबंध में पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने कहा कि अपराधियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। आरोपियों द्वारा किए गए अतिक्रमणों पर बुलडोजर की कार्रवाई जारी रहेगी। सभी दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। पोकरण में शांति बनाए रखना मेरी प्रथम प्राथमिकता है। गौवंश की हत्या करने वालों और उनके सहयोगियों पर सख्त कार्रवाई होगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सरकारी भूमि और जलाशयों की आगोर पर किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा आगे भी ऐसी सख्त कार्रवाई जारी रहेंगी।

इस कार्रवाई के दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार सैन, पुलिस उपाधीक्षक भवानी सिंह, पोकरण थानाधिकारी भारत राव, उपखंड अधिकारी हीरसिंह चारण सहित जिले के अनेक प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे।

फर्जी कागजात बनाने का आरोपी गिरफ्तार

■ 2023 में फर्जी कागजात बनाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

श्रीगंगानगर, (निसं) कोतवाली पुलिस ने एक भूखंड को हड़पने की नीयत से फर्जी कागजात बनाने के करीब ढाई वर्ष पुराने मामले में पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने बताया कि मूल रूप से श्रीगंगानगर और गत काफी समय से लुधियाना पंजाब में रह रहे डॉ. सुदर्शन गोयल की ओर से अदालत में दायर किए इस्तगासा के आधार पर सितंबर 2023 में धोखाधड़ी जालसाजी तथा फर्जी कागजात बनाने के आरोप में कुछ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले में पहली गिरफ्तारी अमृतपालसिंह निवासी ज्वाएवाला थाना केसरीसिंहपुर के रूप में हुई है। डॉ. सुदर्शन गोयल का एक भूखंड गणगौर नगर में था। इसके फर्जी कागजात बनाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया था।

जुआ-सट्टा खेलते चार जने गिरफ्तार

श्रीडूंगरगढ़, (निसिं)। स्थानीय पुलिस ने जुआ और सट्टा खेलने वालों के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई की। इसमें चार आरोपियों को रंगे हाथों गिरफ्तार कर उनके पास से नकदी और सट्टा पर्चियां बरामद की हैं। पहली कार्रवाई बीदासर रोड स्थित बीएसएनएल टावर के पास की गई। एसआई रतनलाल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर वहां दबिश दी। वहां पर ताश के पत्तों पर जुआ खेल रहे तीन युवकों को दबोचा गया। पकड़े गए आरोपियों की पहचान राजकुमार मोदी, साबीर सब्जीफरोश और कैलाश सिकलीगर के रूप में हुई है। मौके से ताश की गड्डी और 3240 रुपए नकद जब्त किए। वहीं दूसरी कार्रवाई घूमचक्कर सर्किल के पास की गई। हेड कांस्टेबल भगवानाराम ने गश्त के दौरान सट्टे की खाईवाली करते हुए सत्यनारायण राजपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से सट्टा पर्चियां और 360 रुपए बरामद किए।

सुखाड़िया वि.वि. के रिटायर्ड अधिकारी से लाखों की ठगी

■ सायबर ठगों ने पति-पत्नी को 12 दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा, फर्जी सीबीआई अधिकारी, एएसपी और मजिस्ट्रेट बनकर ठगा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर की मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी के एक रिटायर्ड अधिकारी को सायबर ठगों ने करीब 68 लाख रुपए की ठगी कर ली। इतना ही नहीं, ठगों ने उन्हें और उनकी पत्नी को 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट में रखा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

उदयपुर के न्यू केशवनगर इलाके में रहने वाले 68 वर्षीय भरत व्यास, जो सुखाड़िया विवि के पूर्व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी हैं, और उनकी पत्नी आशा व्यास को ठगों ने व्हाट्सऐप वीडियो कॉल के जरिए फंसाया। ठगों ने कुल 67 लाख 90 हजार रुपए हडप लिए। सायबर पुलिस थाने में दर्ज रिपोर्ट के मुताबिक, 28 दिसंबर 2025 को भरत व्यास के मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया, जिसमें कहा गया कि उनके नाम पर शिकायत दर्ज हुई है। थोड़ी देर बाद व्हाट्सऐप कॉल पर एक व्यक्ति ने खुद को दिल्ली सीबीआई से लक्ष्मण बताते हुए कहा कि उनका मनी लॉन्ड्रिंग केस में नरेश नामक व्यक्ति से 20 लाख का लेनदेन हुआ है। बाद में उसने कहा कि आपसे सीबीआई चीफ बात करेंगे और फिर, लक्ष्मण ने जॉइंट कॉल में समाधान पंवार को जोड़ा, जो खुद को सीबीआई दिल्ली ब्रांच का अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बता रहा था। पंवार ने भरत और उनकी पत्नी से संपत्ति, बैंक बैलेंस, जेवर आदि की जानकारी ली और कोर्ट में पेश करने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस को दी रिपोर्ट के अनुसार, तथाकथित जांच अधिकारी लक्ष्मण जो कि पूर्व में व्हाट्सएप कॉलिंग से जुडा हुआ था जिसने मजिस्ट्रेट को कॉल में जोडा। मजिस्ट्रेट ने कहा कि जिसने कहा कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस बनता है और आप इसके दोषी पाये गये हो। मजिस्ट्रेट ने कहा कि बैंक बैलेंस और जेवरों की कुल 11.90 लाख रुपए की रकम तुरंत कोर्ट के बैंक अकाउंट में जमा कराएं, जिससे आपकी जमानत स्वीकार की जा सके भरत व्यास ने पुलिस को बताया कि वरिष्ठ नागरिक होने से और गिरफ्तारी के डर से उक्त लोगो द्वारा बताए गए बैक खाते में 5.50 लाख रुपए जमा करवाए। भरत व्यास ने पुलिस को बताया कि 28 दिसंबर 2025 से 8 जनवरी 2026 तक व्हाट्सएप वीडियो कॉल्स के जरिए उन्हें डिजिटल अरेस्ट रखा गया और विभिन्न किश्तों में 5.50 लाख, 9 लाख, 20 लाख, 20 लाख, 2 लाख और 6.40 लाख रुपए ट्रांसफर करवाए गए पीड़ित भरत व्यास ने बातचीत में कहा कि इस घटना से वे मानसिक रूप से बेहद परेशान हैं और जिनसे पैसे उधार लिए थे, उन्हें लौटाने के लिए अपनों से सलाह ले रहे हैं।

प्रकाश रिजवानी ने एसडीपी डोनेट की

कोटा, (निसं)। टीम जीवनदाता द्वारा तेज सर्दी में भी दिन-रात लोगों की मदद की जा रही है, ऐसे में रात को निजी अस्पताल में भर्ती ललित मालव के लिए ओ पॉजिटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, सर्दी तेज होने के कारण लोग नहीं पहुंच पा रहे थे, ऐसे में मैसेज को वायरल किया गया और स्टेटस लगाए गए, केशवपुर निवासी व्यवसायी प्रकाश रिजवानी ने जब मैसेज देखा तो एसडीपी डोनेशन की इच्छा जाहिर की और अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे।

लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम जीवनदाता के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि प्रकाश रिजवानी ने पहले पूरी प्रक्रिया जानी और उसके बाद जीवन में पहली बार एसडीपी डोनेट की। एसडीपी डोनेशन के बाद वह काफी प्रसन्न नजर आए और संकल्प लिया कि आगे भी इसी तरह अब वह सेवा करते रहेंगे। इस जब्बे को देख मरीज के परिजन ने इस समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया।

अलवर के धर्मपुरा गांव का स्कूल अकबरपुर कस्बे में शिफ्ट, ग्रामीणों में नाराजगी

ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर कहा कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है

धर्मपुरा के ग्रामीणों ने स्कूल शिफ्ट करने पर विरोध-प्रदर्शन किया।

■ ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिससे छोटे बच्चों के लिए रोजाना यह दूरी तय करना बेहद मुश्किल है

अलवर, (निसं)। अलवर जिले के अकबरपुर क्षेत्र के धर्मपुरा गांव के राजकीय स्कूल भवन को जर्जर बताकर ध्वस्त कर दिया गया। स्कूल को धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे में स्थानांतरित किया गया है जिसको लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने विरोध-प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का कहना है कि यह फैसला बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा दोनों के लिए नुकसानदायक है।

सरपंच प्रतिनिधि महेश पटेल व ग्रामीणों ने बताया कि धर्मपुरा गांव से अकबरपुर कस्बे की दूरी लगभग पांच किलोमीटर है, जिससे छोटे बच्चों के लिए रोजाना यह दूरी तय करना बेहद मुश्किल है। स्कूल तक पहुंचने का रास्ता अलवर-जयपुर राष्ट्रीय राजमार्ग से होकर गुजरता है, जहां दिनभर तेज रफ्तार वाहनों की आवाजाही रहती है। ऐसे में बच्चों को स्कूल भेजना उनके जीवन के लिए खतरे से कम नहीं है। ग्रामीणों ने बताया कि अकबरपुर स्थित स्कूल जाने के लिए बच्चों को खेतों की पगडंडियों से होते हुए जाकर हाईवे पार करना पड़ेगा, जिससे हादसे की आशंका रहेगी, जबकि धर्मपुरा गांव में ही कक्षा एक से आठवीं तक के संचालन के लिए पर्याप्त व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। इसको लेकर दर्जनों ग्रामीणों ने एकजुट होकर धर्मपुरा स्कूल को अकबरपुर शिफ्ट किए जाने का विरोध किया है। इसके बाद ग्रामीण व अभिभावक अकबरपुर स्कूल पहुंचे और वहां भी विरोध जताया। ग्रामीणों ने कहा कि शिक्षा विभाग ने बिना मौके का जायजा लिए ही स्कूल ट्रांसफर का निर्णय ले लिया।

महिला से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। कुन्हाड़ी पुलिस टीम ने महिला से दुष्कर्म के दर्ज मामले में हुए दो हजार रूपये के ईनामी आरोपी ओमेन्द्र आर्य को गिरफ्तार किया।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 6 जनवरी को फरियादिया ने थाने में रिपोर्ट दी थी। रिपोर्ट में कहा था कि उसका पति अधिकतर घर के काम से बाहर रहता है और कोई काम होता तो उसका पति अपने मित्र ओमेन्द्र आर्य को घर भेज देते थे, जिससे ओमेन्द्र से अच्छी जान पहचान हो गई। महिला ने रिपोर्ट में कहा कि ओमेन्द्र ने 20 दिसम्बर 2025 को मूवी दिखाने के लिये उसको साथ चलने को कहा जिस पर वह ओमेन्द्र के साथ मूवी देखने गई और मूवी के बाद ज्यादा रात्रि होने एवं फोन डिस्चार्ज होने पर रात्रि को घर का गेट नहीं खुलवा सकी। फरियादिया ने रिपोर्ट में कहा कि जिस पर ओमेन्द्र ने होटल में रूकने को कहा। रिपोर्ट में कहा कि होटल में वह भी रूक गया और जहां उसने होटल के कमरे में जबरदस्ती दुष्कर्म किया। शहर एसपी ने कहा कि फरियादिया की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में फरार आरोपी पर दो हजार के ईनाम राशि घोषित की गई, मामले में कुन्हाडी थानाप्रभारी कौशल्या गालव ने टीम के साथ फरार आरोपी ओमेन्द्र आर्य को गिरफ्तार किया। कुन्हाडी थाना प्रभारी कौशल्या गालव ने बताया कि आरोपी को अनुसंधान के बाद न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

मकान पर फायरिंग करने वाले तीन गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। कुराबड़ थाना पुलिस ने जगत गांव में मकान पर फायरिंग करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। प्रकरण के अनुसार 30 दिसंबर 2025 को पीड़ित किशन पुत्र पूनमचन्द निवासी जगत ने पुलिस थाने में रिपोर्ट दी कि 27 दिसंबर रात में मैं व मेरे परिवार के लोग खाना खाने के बाद मकान में सो रहे थे। जहां रात में करीब एक बजे मकान के बाहर पटाखा फूटने जैसी आवाज सुनाई दी थी। जिस पर उस समय कोई ध्यान नहीं दिया। दूसरे दिन सवेरे उठकर देखा तो मकान के हॉल में दरवाजे की पास प्लास्टर में गड्डा था एवं कमरे की चोखट पर लगे पत्थर का कोना खंडित था। इस पर बंदूक से फायर करने की शंका व्यक्त की। इस मामले में प्रकरण दर्ज होने पर जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक गोपाल स्वरूप मेवाड़ा, पुलिस उपाधीक्षक गोपाल चंदेल के सुपरविजन में कुराबड़ थानाधिकारी प्रभूलाल मय टीम ने कार्यवाही करते हुए मौके से एवं पीड़ित से की गई पूछताछ में मिले साक्ष्यों के आधार पर अनुसंधान करते हुए मामले में तीन संदिग्ध मावाराम पुत्र भाना निवासी चरमर तालाब कुराबड़, गणेशलाल पुत्र लखमा निवासी चरमर तालाब कुराबड़, लक्ष्मणलाल पुत्र लखमा निवासी चरमर तालाब कुराबड़ को डिटेन किया। जिन्होंने पूछताछ के बाद वारदात करना कबूल करने पर गिरफ्तार किया।